हिन्दी परास्नातक हेतु पाठ्यक्रम परियोजना प्रतिवेदन
PROGRAM PROJECT REPORT (PPR) FOR M.A HINDI

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा संस्थान
राजीव गाँधी विश्वविद्यालय
रोनो हिल्स दोईमुख ईटानगर

1. कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (Centre for Distance and online Education), राजीव गाँधी विश्वविद्यालय (RGU) की स्थापना वर्ष 2005 में की गई थी। अन्य मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थानों की भाँति, दूरस्थ शिक्षा संस्थान, राजीव गाँधी विश्वविद्यालय अपने लक्षित शिक्षार्थियों को उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य एवं उद्देश्य निम्नलिखित हैं-

- शिक्षण एवं अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराकर दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करना तथा उसका व्यापक प्रसार करना।
- उन व्यक्तियों को उच्च शिक्षा तक पहुँच उपलब्ध कराना जो नियमित शिक्षा प्रणाली के माध्यम से उच्च शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम नहीं हैं।
- उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात (Gross Enrollment Ratio – GER) में वृद्धि करना।
- विद्यार्थियों के बीच अनुसंधान तथा नवाचार (Innovation) की भावना एवं नवीन विचारों को प्रोत्साहित करना।

2. उच्च शिक्षण संस्थान (HEI) के ध्येय एवं लक्ष्यों के साथ कार्यक्रम की प्रासंगिकता

राजीव गांधी विश्वविद्यालय का ध्येय शिक्षार्थियों की प्रतिभा का संवर्धन करते हुए उनके बौद्धिक विकास को प्रोत्साहित करना, उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करना तथा उन्हें बहुकौशलयुक्त, सामाजिक रूप से उत्तरदायी, सृजनशील, परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम, राष्ट्र एवं समाज के विकास में योगदान देने वाले तथा नैतिक मूल्यों से युक्त वैश्विक नागरिक के रूप में विकसित करना है।विश्वविद्यालय का यह भी ध्येय है कि विविध सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आने वाले विद्यार्थियों को समान अवसर एवं आवश्यक शैक्षणिक सहयोग प्रदान किया जाए, ताकि बहुआयामी शिक्षा तथा स्थानीय, राष्ट्रीय एवं वैश्विक समुदायों के साथ सतत सहभागिता के माध्यम से उनकी बौद्धिक, नैतिक, नागरिक एवं सृजनात्मक क्षमताओं का अधिकतम विकास सुनिश्चित किया जा सके और वे जागरूक, उत्तरदायी एवं सुशिक्षित वैश्विक नागरिक बन सकें।

इसी प्रकार, संस्थान का ध्येय एवं लक्ष्य शिक्षण, अधिगम तथा अनुसंधान के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रसार एवं उन्नयन करते हुए उच्च शिक्षा में उत्कृष्टता प्राप्त करना है। यह कार्यक्रम उन शिक्षार्थियों को दूरस्थ शिक्षा प्रणाली के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है, जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक हैं, किन्तु नियमित शिक्षा प्रणाली के माध्यम से प्रवेश प्राप्त करने अथवा अध्ययन करने में असमर्थ हैं। ऐसे शिक्षार्थियों को शैक्षणिक परामर्श (Academic Counseling), स्व-अधिगम सामग्री (Self-Learning Material–SLM) तथा अन्य शिक्षण-अधिगम सहायता उपलब्ध कराकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया जाता है। अतः यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के ध्येय एवं लक्ष्यों के अनुरूप है तथा उच्च शिक्षण संस्थान (HEI) के उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति में सहायक है।

3. प्रस्तावित लक्षित शिक्षार्थी समूह का स्वरूप

इस कार्यक्रम का लक्षित शिक्षार्थी समूह ऐसे शिक्षार्थी होंगे जिन्होंने कक्षा XII उत्तीर्ण की है तथा उच्च शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक हैं, किन्तु विभिन्न सामाजिक एवं आर्थिक कारणों से नियमित माध्यम (Regular Mode) में प्रवेश प्राप्त नहीं कर सके। लक्षित शिक्षार्थी समूह में सेवारत (In-service) कर्मचारी, बेरोज़गार युवा, रक्षा एवं पुलिस बल के कार्मिक, गैर-सरकारी संगठनों (NGOs) में कार्यरत व्यक्ति तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी भी सम्मिलित होंगे। इस कार्यक्रम का अभिकल्पन हिन्दी एवं अंग्रेज़ी भाषाओं के शासकीय, प्रशासनिक एवं कार्यालयी कार्यों में बढ़ते महत्त्व और उपयोग को ध्यान में रखते हुए किया गया है। यह कार्यक्रम सुनिश्चित करेगा कि शिक्षार्थियों को केवल शैक्षणिक ज्ञान एवं अनुभव ही प्राप्त न हो, बल्कि वे प्रशासनिक एवं कार्यालयी सेवाओं तथा अन्य रोजगारोन्मुख क्षेत्रों में आवेदन एवं कार्य करने हेतु आवश्यक भाषायी दक्षताओं और व्यावसायिक कौशल से भी सुसज्जित हों।

4. विशिष्ट कौशल एवं दक्षताओं के अर्जन हेतु मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा एवं ऑनलाइन मोड में कार्यक्रम संचालन की उपयुक्तता

एम.ए. हिन्दी कार्यक्रम को दूरस्थ शिक्षा मोड के माध्यम से इस उद्देश्य से विकसित किया गया है कि शिक्षार्थियों में विषय-विशिष्ट कौशल एवं दक्षताओं का विकास हो सके। इस कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख कौशल/ज्ञान क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया है-

1 संप्रेषण कौशल (Communication Skills) का ज्ञान

2. हिन्दी भाषा शिक्षण (Hindi Language Teaching) का ज्ञान

3. हिन्दी व्याकरण (Hindi Grammar) का ज्ञान

4. हिन्दी अनुवाद एवं मीडिया कौशल (Hindi Translation and Media Skills) का ज्ञान

5. हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में हो रहे नवीन विकास का ज्ञान, जिससे शिक्षार्थी उच्च शिक्षा में आगे अध्ययन कर सकें

हिन्दी साहित्य के क्षेत्र में हो रहे नवीन विकास का ज्ञान, जिससे शिक्षार्थी उच्च शिक्षा में आगे अध्ययन कर सकें। यह पाठ्यक्रम शिक्षार्थियों को उपर्युक्त ज्ञान एवं कौशलों से सुसज्जित करता है। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (Open and Distance Learning) प्रणाली उन इच्छुक शिक्षार्थियों को गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा प्रदान करने में सहायक है, जो नियमित शिक्षा प्रणाली से वंचित रह जाते हैं। यह प्रणाली परामर्श (Counseling), स्व-अध्ययन सामग्री (Self Learning Materials), मार्गदर्शन एवं शैक्षणिक सहयोग के माध्यम से शिक्षार्थियों को संबंधित विषय में दक्षताएँ एवं कौशल अर्जित करने में सक्षम बनाती है। अतः यह स्पष्ट है कि यह मोड आवश्यक दक्षताओं एवं कौशलों के अर्जन हेतु पूर्णतः उपयुक्त है।

5. शिक्षण-अधिगम अभिकल्प

(a) पाठ्यक्रम गतिविधियाँ-

(i) कार्यक्रम की अवधि : एम.ए. (M.A.) कार्यक्रम की अवधि 2 (दो) वर्ष है।

(ii) कार्यक्रम संरचना : यह दो वर्षीय कार्यक्रम चार (04) सेमेस्टरों में विभाजित है।

(iii) परीक्षा प्रणाली : सेमेस्टर परीक्षा प्रत्येक पाँच माह के अंतराल पर आयोजित की जाती है।

(iv) परिणाम घोषणा : परीक्षा परिणाम परीक्षा समाप्ति के एक माह के भीतर घोषित किया जाता है।

(v) प्रवेश प्रक्रिया : परिणाम घोषित होने के पश्चात अगले सत्र हेतु प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ की जाती है।

(b) पाठ्यक्रम का विवरण

MAHIN402

हिन्दी साहित्य का इतिहास-1

ईकाई 1 : साहित्य का इतिहास और इतिहास लेखन की पद्धतियाँ

- परिचय
- साहित्यकाइतिहास
- साहित्यकेइतिहासलेखनकेविविधपक्ष
- साहित्यकेइतिहासलेखनकीपद्धतियाँ
- हिंदीसाहित्यइतिहासलेखनकीपरंपरा
- हिंदीसाहित्य काआरंभ

ईकाई 2 : मध्यकालीनहिंदीसाहित्य – 1

- परिचय
- भक्तिकालकीपृष्टभूमि, नामकरणएवंसीमांकन
- भक्तिआन्दोलनकाविकासऔरव्याप्ति
- भक्तिसाहित्यकीविभिन्नधाराएँ:सामान्यपरिचय,
- प्रवृत्तियां, प्रमुखरचनाएंऔररचनाकार
- भक्तिकालकागद्यसाहित्य
- भक्तिकालीनसाहित्यऔरलोकजागरण

ईकाई 3 : आधुनिककालकीपृष्ठभूमि – 1

- परिचय
- आधुनिककालकीपृष्ठभूमि : सामाझिक, राजनीतिक, आर्थिकएवंसांस्कृतिक
- आधुनिककालकाप्रारंभऔरनामकरण
- उन्नीसवींशताब्दीमेंस्वाधीनतासंघर्षएवंभारतीयनवजागरण

- भारतेंदुपूर्वखड़ीबोलीकेकवि – संतगंगादासएवंअन्य
- हिंदीकाव्यकोभारतेंदुकाअवदान
- भारतेंदुमंडलकेकवितथाअन्यकवि
- काव्यभाषाकासंघर्षऔरभारतेंदुयुग
- भारतेंदुयुगीनकविताकीमूलचेतनाऔरविशेषताएं

ईकाई 4 : उत्तरछायावादीकाव्यान्दोलनएवंगद्यचेतना – 1

- परिचय
- उत्तरछायावादीकाव्यकास्वरुप
- प्रमुखछायावाद्दोत्तरकविऔरउनकीरचनाएं

  लौकिकएवंसंवेदनायुक्तकाव्य

  वैक्तिकगीतिकाव्य

  राष्ट्रीय-सांस्कृतिककाव्यधारा
- प्रगतिशीलकाव्य ;
- प्रयोगवाद
- नवगीत
- समकालीनकवितावअन्यकाव्यपरिवर्तन
- दलितचेतना, स्त्रीचेतनाऔरजनजातीयचेतनाकीकविताएँ

  निरालाकीकविताओंमेंदलितएवंजनजातीयचेतना

  नागार्जुनएवंजनचेतना

  डॉ. रामकुमारवर्माएवंदलितचेतना

  नरेशमेहताकेकाव्यमेंदलितचेतना

  जगदीशगुप्तकाकाव्यऔरदलितचेतना

  रामधारीसिंहदिनकरऔरदलिततथाजनजातीयचेतना

  सुभद्राकुमारीचौहानएवंस्त्रीचेतना

  स्त्रीचेतनाऔरअरुणकमलकीकविता

  समकालीनअन्यकवितायेंएवंचेतनाकेस्वर

ईकाई 5 : हिंदी गद्य के प्रमुख विधाओं का उद्भव औ रविकास -1

- नाटक

- निबंध
- उपन्यास
- कहानी
- एकांकी
- आलोचना

  भारतेंदुयुगीनहिंदीआलोचना

  द्विवेदीयुगीनहिंदीआलोचना

  शुक्लयुगमेंआलोचना

  शुक्लोत्तरयुगीनआलोचनाएवंआलोचनाकेप्रकार

  नईसमीक्षा
- जीवनी
- आत्मकथा
- संस्मरण
- रेखाचित्र
- साक्षात्कार
- यात्रासाहित्य
- पत्रसाहित्य
- डायरीसाहित्य
- हिंदीसाहित्यिकपत्र-पत्रिकाएँ : प्रारंभऔरविकास

एम्.ए.हिंदी (प्रथमसत्र)

पत्र- MAHIN402

हिंदीसाहित्यकाइतिहास– 2

ईकाई 1 : **चंदवरदाई**

- परिचय
- पृथ्वीराजरासो : राजनैतिकयथार्थ
- पृथ्वीराजरासोमेंसामंतवादीचेतना
- पृथ्वीराजरासोकीप्रमाणिकता
- पृथ्वीराजरासोकीकाव्यशैलीऔरभाषा
- सौन्दर्यचेतनास्वरूप, युद्धवर्णनएवंप्रकृति
- शशिव्रताविवाहप्रस्तावकीमूलसंवेदनाऔरपाथांश
- सारांश

ईकाई 2 : **विद्यापति**

- परिचय
- लोकसंस्कृति
- गीतिपरंपरा
- श्रृंगारऔरभक्ति
- सौन्दर्यचेतना
- तत्कालीनराजनीतिकपरिदृश्य
- पाठांश
- सारांश

ईकाई 3 : **कबीरदास**

- परिचय
- सामाजिकचेतना
- क्रांतिकारिता
- धार्मिककर्मकांडऔरकबीर
- भक्तिआन्दोलनऔरकबीर

- कबीरकाकाव्य
- कबीरकीभाषा
- पाठांश
- सारांश

ईकाई 4 : मलिकमुहम्मदजायसी

- परिचय
- सूफीदर्शनऔरजायसी
- प्रेमाख्यानपरंपराऔरजायसी
- पद्मावतमेंलोकतत्व
- पद्मावतकीरचनाशैली
- जायसीकीकाव्यभाषा
- जायसीकेप्रमुखपात्र
- पाठांश
- सारांश

ईकाई 5 : तुलसीदास

- परिचय
- तुलसीकीसामाजिकसांस्कृतिकदृष्टि
- भारतीयजीवन- मूल्यऔरतुलसीकाकाव्य
- भारतीयजीवनको रामचरितमानसकीदें
- तुलसीकेराम
- तुलसीकीस्त्रीसम्बन्धीधारणा
- कलिकाल, वर्तमानजीवनयथार्थऔरतुलसी
- तुलसीकीकाव्यशैलियाँ
- तुलसीदासकीसौन्दर्यदृष्टि
- तुलसीकीकाव्यभाषा
- शास्त्रीयज्ञानपरंपराएवंतुलसीकाकाव्य

- तुलसीकेप्रमुखपात्र
- पाठांश
- सारांश

एम्.ए.हिंदी (प्रथमसत्र)

पत्र- MAHIN403

लोकसाहित्य – I

इकाई : 1 **लोककीअवधारणाएवंलोकसाहित्य– 1**

- परिचय
- लोककीअवधारणा
- लोकसाहित्यकाअर्थऔरस्वरुप
- लोकसाहित्यकाक्षेत्र
- लोकसंस्कृतिएवंलोकसाहित्य

इकाई : 2 **लोकसाहित्यकेप्रकार – 1**

- परिचय
- लोकगीत

  लोकगीतकीपरिभाषाएवंविशेषताएं

  लोकगीतओरशिष्टगीतमेंअंतर

  लोकगीतकावर्गीकरण

  लोकगीतोंकीसामान्यप्रवृत्तियांएवंरूढ़ियाँ

  लोकगीतोंमेंसंगीतकाविधानएवंवाद्ययंत्र
- लोककथा

  लोककथाकीपरिभाषा

  लोककथाकेउद्भवकेसिद्धांत

  लोककथाओंकीविशेषताएं

  लोककथाकाभारतीयवर्गीकरण

  पौराणिककथाएंएवंउनकीविशेषताएं

  लोककथाव्पौराणिककथामेंअंतर

  लोककथाकथनमेंकथक्कड़कीभूमिका

इकाई : 3 **पूर्वोत्तरकेसातराज्योंकालोकसाहित्य – 1**

- परिचय
- पूर्वोत्तरकालोकसाहित्य

  असम

  त्रिपुरा

  नागालैंड

  मणिपुर

  मिजोरम

  मेघालय

  सिक्किम

इकाई : 4 **पूर्वोत्तरकालोकसाहित्य : अरुणाचल**

- परिचय
- अरुणाचलकालोकजीवन
- अरुणाचलकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकवैशिष्ट्य
- अरुणाचललोकसाहित्यकेविविधरूप

  लोकगीत

  लोकनृत्य

  लोककथा

  मिथक

  लोकोक्तियाँअथवाकहावतें

एम्.ए.हिंदी (प्रथमसत्र)

पत्र- MAHIN404

भाषाविज्ञान, हिंदीभाषाऔरदेवनागरीलिपि – 1

इकाई : 1 **भाषाएवंभाषाविज्ञान – 1**

- परिचय
- भाषाकीपरिभाषा
- भाषाकेअभिलक्षण
- भाषाविज्ञानकास्वरुप

  वर्णनात्मकभाषाविज्ञान

  ऐतिहासिकभाषाविज्ञान

  तुलनात्मकभाषाविज्ञान

इकाई : 2 **शैलीऔरशैलीविज्ञान – 1**

- परिचय
- शैलीओरशैलीविज्ञान : परिभाषाऔरस्वारूप

  शैलीविज्ञानकास्वरुप

  शैलीविज्ञानऔरभाषाविज्ञानकासंबंध

- अर्थसम्प्रेषण, विचलनएवंशैलीविज्ञान
- सामान्य, मानक, शास्त्रीयएवंकाव्यभाषा

इकाई : 3 **भारोपीयभाषापरिवारएवंहिंदीतथाखड़ीबोलीका उद्भवऔरविकास –1**

- परिचय
- भारोपीयभाषापरिवार
- भारोपीयभाषापरिवारकीप्रमुखविशेषताएं
- भारोपीयपरिवारकाभाषाईढांचा
- खड़ीबोलीकाउद्भवऔरविकास
- फोर्टविलियमकॉलेजऔरखड़ीबोली

इकाई : 4 **देवनागरीलिपि – 1**

- परिचय
- देवनागरीलिपिकानामकरण
- देवनागरीलिपिकाउद्भवऔरविकास
- देवनागरीलिपिकाहिंदीभाषाकेरूपमेंविकास
- नागरीअंकोंएवंनागरीलिपिकीउत्पत्ति

एम्.ए.हिंदी (द्वितीयसत्र)

पत्र –MAHIN405

'हिंदीसाहित्यकाइतिहास — 2'

इकाई : 1 साहित्यकाइतिहासऔरइतिहासलेखनकीपद्धतियाँ – 2

- आदिकालकानामकरणऔरसीमांकन
- आदिकालीनसाहित्यकीविविधधाराएँ
- आदिकालकागध्यसाहित्य
- आदिकालीनसाहित्यकीसामान्यप्रवृत्तियाँ
- आदिकालीनसाहित्यकीभाषा |

इकाई : 2 मध्यकालीनहिंदीसाहित्य – 2

- रीतिकालीनसाहित्यकीपृष्ठभूमि
- राजनैतिक, सांस्कृतिकएवंसाहित्यिक
- रीतिकालकाअभिप्राय; नामकरणओरसीमांकन
- रीतिकालीनसाहित्यकीविभिन्नधाराएं;

  सामान्यपरिचय, रचनाएं, रचनाकारएवंप्रमुखप्रवृत्तियां;
- रीतिकालीनगध्यसाहित्य
- रीतिकालीनकाव्यकीभाषा |

इकाई : 3 आधुनिककालकीपृष्ठभूमि – 2

- द्विवेदीयुग: नयेकाव्यपरिवर्तनकास्वरुप
- महावीरप्रसादद्विवेदीतत्कालीनहिंदीकविता
- द्विवेदीयुगीनकविता

  - मुख्यप्रवृत्तियां, रचनाकारएवंरचनाएं
- छायावाद : पृष्ठभूमि, नामकरणऔरसीमांकन
- प्रमुखछायावादीकवीएवंउनकाकाव्य
- छायावाद्कालीनअन्यकविएवंउनकाकाव्य
- छायावादीकविताकेमाँमूल्य

- छायावाद्कालीनकाव्यकासामाजिक, सांस्कृतिकऔरराजनीतिकचरित्र
- छायावाद्कालीनकाव्य-भाषाकास्वरुप

इकाई : 4 उत्तरछायावादीकाव्यान्दोलनएवंगद्यचेतना– 2

- स्वाधीनताआन्दोलनऔरहिंदीगध्यसाहित्य
- देशविभाजनऔरहिंदीगध्यसाहित्य
- स्वाधीनभारतकाजीवनयथार्थऔरहिंदीगध्यसाहित्य
- दलितचेतनाऔरहिंदीगध्यसाहित्य
- स्त्रीचेतनाऔरहिंदीगध्यसाहित्य
- जनजातीयचेतनाऔरहिंदीगध्यसाहित्य
- भूमंडलीकरणऔरहिंदीगध्यसाहित्य

इकाई : 5 हिंदीगद्यकेप्रमुखविधाओंकाउद्भवऔरविकास – 2

- रिपोतार्ज ; प्रारंभऔरविकास
- दक्खिनीहिंदीसाहित्य ; सामान्यपरिचय
- उर्दूसाहित्यकाइतिहास ; सामान्यपरिचय
- हिंदीउर्दूसाहित्यकापारस्परिकसंबंध
- हिंदीसाहित्यिकपत्र-पत्रिकाएं ; प्रारंभऔरविकास

एम्.ए.हिंदी (द्वितीयसत्र)

पत्र : MAHIN406

आदिकालीनऔरमध्यकालीनकाव्य (ब)

इकाई : 1 **सूरदास**

- परिचय
- कृष्णकाव्यपरंपरामेंसूरदास
- पुष्टिमार्गओरसूरदास
- लोकजीवनऔरसूरदास
- किसानजीवनऔरसूरकाकाव्य
- भ्रमरगीतकीपरंपराऔरसूरदासकाकाव्य
  - भ्रमरगीतरचनाकीपृष्ठभूमि
  - हिंदीसाहित्यमेंभ्रमरगीतपरंपराओरसूर
  - भ्रमरगीतमेंसहृदयताओरभावुकता
  - सूरदासद्वारारचितभ्रमरगीतकीप्रासंगीकता
- सूरकेकाव्यमेंवात्सल्यवर्णनऔरबालमनोविज्ञान
  - वात्सल्यकासंयोगपक्ष
  - वात्सल्यकावियोगपक्ष
- ब्रजभाषाकोसूरकीदेन
- भक्तिकालीनगीतिकाव्यओरसूर
- अष्टछापकादर्शनऔरसूर
- सूरकीगोपियाँ

इकाई : 2 **मीराबाई**

- परिचय
- कृष्णकाव्यपरंपरामेंमीरा
  - वैष्णवोंकीपद्धति
  - मीराकीपदावलीकाविषय
- सामंतवादकोचुनौतीओरमीराकाकाव्य

- मीराकेकाव्यमेंस्त्रीचेतना
- मीराकीकाव्यभाषा
- प्रेमदीवानीमीरा
-

इकाई : 3 **आचार्यकेशवदास**

- परिचय
- रामकाव्यपरंपराऔररामचंद्रिका
- केशवकाआचार्यत्व
- केशवकी 'कविप्रिया' और 'रसिकप्रिया' मेंआचार्यत्व
- रामचंद्रिकाकीसंवादयोजना
- रामचंद्रिकाकेलंकाकांडसेअंगद-रावणसंवाद

इकाई : 4 **बिहारी**

- परिचय
- श्रृंगारपरंपराऔरबिहारीसतसई
- दरबारीसंस्कृतिऔरबिहारीकाकाव्य
- 'सतसैयाकेदोहरेज्योंनावककेतीर' कीकसौटीपरबिहारी काकाव्य
- बिहारीकाकाव्यवैभव
- भावपक्ष
- कलापक्ष
- बिहारीकीकाव्यभाषा
- बिहारीकीबहुज्ञता
- मुक्तककाव्यपरंपराऔरबिहारी

इकाई : 5 **घनानंद**

- परिचय
- 'अतिसूधोसनेहकोमारगहै' कीकसौटीपरघनानंदकाकाव्य
- स्वच्छंदतावादीकाव्यकास्वरुपऔरघनानंदकाकाव्य

- घनानंदकीसौन्दर्यचेतना
- घनानंदकीकाव्यभाषा
- घनानंदकेकाव्यमेंप्रकृति
- घनानंदकीसुजान

एम्.ए.हिंदी (द्वितीयसत्र)

पत्र : MAHIN407

'लोकसाहित्य –2'

इकाई : 1 **लोककीअवधारणाएवंलोकसाहित्य –2**

- लोकसाहित्यकीअध्ययनपद्धति
- लोकसाहित्यकेसंग्रहकेआवश्यकताएं
  - लोकसाहित्यकेसंग्रहकाइतिहास
  - लोकसाहित्यकीउपयोगीता
- लोकसाहित्यकेअध्ययनकीचुनौतियां

इकाई : 2 **लोकसाहित्यकेप्रकार –2**

लोकगाथा

- लोकगाथाकीपरिभाषा
- लोकगाथाकीविशेषताएं
- लोकगाथाओंकीउत्पत्ति
- लोकगाथाओंकीविभिन्नश्रेणियां

लोकनाट्य

- लोकनाट्यकाअर्थएवंपरिभाषा
- लोकनाट्यकीविशेषताएं
- लोकमंचकेस्वरुप
- लोकनाट्योंकीलोकप्रियताकेकारण
- लोकनाट्योंकेप्रकार
- भारतकेप्रसिद्धलोकनाट्योंकापरिचय

लोकसुभाषितसाहित्य

- लोकोक्ति
- मुहावरे
- पहेलियाँ

इकाई : 3 **पूर्वोत्तरकेसातराज्योंकालोकसाहित्य –2**

- पूर्वोत्तरलोकसाहित्यकावर्गीकरण
- पूर्वोत्तरकीलोकसाहित्यकीविशेषताएं
- पूर्वोत्तरमेंप्रचलितकुछकथाएंएवंमिथक

इकाई : 4 पूर्वोत्तरकालोकसाहित्य : अरुणाचल –2

- अरुणाचलकेलोकसाहित्यकासांस्कृतिकवैशिष्ट्य
- अरुणाचललोकसाहित्यकेविविधरूप - २
    - लोककथा
    - मिथक
    - लोकोक्तियाँ
    - कहावतें

इकाई : 5 हिंदीऔरपूर्वोत्तरभारतकेलोकसाहित्यकातुलनात्मकअध्ययन –2

- असमियाऔरहिंदीकालोकसाहित्य
- अरुणाचलऔरहिंदीकालोकसाहित्य
- मणिपुरऔरहिंदीकालोकसाहित्य
- मेघालयऔरहिंदीकालोकसाहित्य
- त्रिपुराऔरहिंदीकालोकसाहित्य
- मिजोरमऔरहिंदीकालोकसाहित्य
- नागालैंडऔरहिंदीकालोकसाहित्य

एम्.ए.हिंदी (द्वितीयसत्र)

पत्र– MAHIN408

‘भाषाविज्ञान, हिंदीभाषाऔरदेवनागरीलिपि –2’

इकाई : 1 **भाषाएवंभाषाविज्ञान –2**

- भाषाविज्ञानकाअन्यअनुशासनोंसेसंबंध
- अनुप्रयुक्तएवंसमाजभाषाविज्ञान :
  - अभिप्रायऔरस्वरुप
- व्यतिरेकीभाषाविज्ञान

इकाई : 2 **शैलीऔरशैलीविज्ञान –2**

- सामान्य, मानक, शास्त्रीयएवंकाव्यभाषा
- सामान्यभाषा
- मानकभाषा
- शास्त्रीयभाषा
- काव्यभाषा

इकाई : 3 **भारोपीयभाषापरिवारऔरहिंदी –2**

- अपभ्रंस, अवहट्टऔरपुरानीहिंदीकास्वरुप
- हिंदीभाषाकेनामकरणकाप्रश्न
- हिंदीकीबोलियोंकावर्गीकरण
- हिंदीकीबोलियोंकासामान्यपरिचय

इकाई : 4 **खड़ीबोलीकाउद्भवऔरविकास**

- भाषाविवादऔरहिंदीभाषाकेस्वरुपकाप्रश्न
  - राजाशिवप्रसादसितारेहिंद
  - राजालक्ष्मणसिंह
  - भारतेंदुहरिश्चंद्र
  - अयोध्याप्रसादखत्री
  - श्रीबालकृष्णभट्ट
- हिंदीभाषाकीवर्तमानशैलियांऔरभाषाकेमानकीकरणकाप्रश्न

- हिंदीभाषाकीवर्तमानशैलियाँ
- भाषाकामानकीकरण

इकाई : 5 **देवनागरीलिपि –2**

- देवनागरीलिपिकीवैज्ञानिकता
- देवनागरीलिपिमेंसुधारकीसंभावनाएं
  - नागरीलिपिसुधार :ऐतिहासिकपृष्ठभूमि
  - नागरीप्रचारिणीसभाएवंलिपिसुधार
  - आचार्यनरेंद्रदेवसमितिकेसुझाव

स्नातकोत्तरतृतीयसत्र

MAHIN-501

'आधुनिककाव्य– 1'

इकाई 1 : **संतगंगादासएवंभारतेंदुहरिश्चंद्र – 1**

- परिचय

- खड़ीबोलीऔरसंतगंगादासकीकविता

- आधुनिक राजनीतिक जागरण और सत गंगादास के काव्य में सामाजिक और पौराणिक चेतना का स्वरुप
- पाठांश
- हिंदी नवजागरण एवं भारतेंदु का काव्य
- राजनैतिक परिस्थितियां
- सामाजिक परिस्थितिया
- साहित्यिक पृष्ठभूमि
- भारतेंदु की राजनीतिक चेतना
- भारतेंदु की काव्यगत विशेषताएं
- पाठांश –'प्रेम माधुरी' एवं 'यमुना छवि'

इकाई 2 : **मैथिलीशरणगुप्तएवंजयशंकरप्रसाद – 1**

- परिचय
- स्त्रीचेतनाएवंमैथिलीशरणगुप्तकाकाव्य
- साकेतकानवमसर्गऔरगुप्तजीकीकाव्यगतविशेषताएं
- उर्मिलाकाविरहवर्णन
- पाठांश
- छायावादी काव्य मूल्य और जयशंकर प्रसाद
- प्रसाद के काव्य में राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना
- कामायनी का महाकाव्यत्व
- कामायनी की प्रतीक योजना
- पाठांश –'पूर्वपीठिका' एवं 'कामायनी' का श्रद्धा सर्ग

इकाई 3 : **सूर्यकांत त्रिपाठी'निराला'एवंमहादेवीवर्मा – 1**

- परिचय
- निराला का काव्य वैशिष्ट्य
- लंबी कविता की'परंपरा' और'सरोज-स्मृति'
- 'राम की शक्ति पूजा' का प्रतिपाद्य
- निराला का काव्य शिल्प
- पाठांश
- महादेवीकेकाव्यमेंवेदनातत्व
    - निर्माणात्मकवेदना
    - करूणात्मकवेदना
    - साधनात्मकवेदना
- महादेवीकीप्रतीकयोजना
- महादेवी वर्मा के प्रगीतों में भाव-सौंदर्य
    - महादेवी वर्मा के प्रगीतों में प्रणय भाव एवं वेदना
    - महादेवी वर्मा के प्रगीतऔर जड़ चेतन का एकात्य भाव
    - महादेवी वर्मा के प्रगीतों में सौन्दर्यानुभूति
    - महादेवी वर्मा के प्रगीतों मेंमूल्य बना
    -
- पाठांश –'तुझको दूर जाना' एवं 'मैं नीर भरी दुख की बदली'

इकाई 4 : सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय– 1

- परिचय
- प्रयोगवादी-काव्य और अज्ञेय
    - प्रयोगवादी कविता को पृष्ठभूमि
    - प्रयोग के प्रति अज्ञेय को प्रतिक्रिया
    - प्रयोगवाद एवं उसको प्रवृत्तियां
    - प्रयोगवाद: काव्य भाषा
- नई कविता को अज्ञेय की देन
    - नई कविता एवं उसकी प्रवृत्तियां
    - नई कविता : काव्य भाषा
    - नई कविता और अज्ञेय की उड़ान
- अज्ञेय के काव्य प्रयोग
- अज्ञेय की काव्य भाषा

- पाठांश – ‘नदी के द्वीप’ एवं ‘नदी के द्वीप प्रतिपाद्य’

इकाई 5 : मुक्तिबोध – 1

- परिचय
- मुक्तिबोध का जीवन एवं रचना प्रक्रिया
    - मुक्तिबोध : जीवनपरिचय
    - मुक्तिबोध : रचनासंसार
- लंबी कविता की कसौटी पर ‘अँधेरे में’
- फैंटसी और मुक्तिबोध का काव्य
    - फैंटसीसेतात्पर्य
    - फैंटसीकाप्रारूप
- मुक्तिबोध के काव्य में आधुनिक भारत का यथार्थ
    - सामाजिक जीवन के सांस्कृतिक मूल्य
    - राजनैतिक वातावरण की व्यवस्था
- पाठांश

स्नातकोत्तरतृतीयसत्र

MAHIN-502

'हिंदीगद्यसाहित्य– 2'

इकाई 1 : गोदान (मुंशी प्रेमचंद)– 2

- परिचय
- गोदान- व्याख्या खंड
- गोदान एवं भारतीय किसान
- गोदान में दलित और स्त्री प्रश्न
    - दलित चेतना
    - स्त्री चेतना
- महाकाव्यात्मक उपन्यास के परिप्रेक्ष्य में गोदान
- गोदान में आदर्श और यथार्थ
    - गोदान में चित्रित यथार्थ
    - गोदान में चित्रित आदर्श
- गोदान का भाषा शिल्प

इकाई 2 : आधे-अधूरे (मोहन राकेश)– 2

- परिचय
- पात्रपरिचयएवंव्याख्याएं
    - पात्रपरिचय
    - व्याख्या
- आधे-अधूरेमेंआधुनिकताबोध
- आधे-अधूरेकीप्रयोगधर्मिता

इकाई 3 : निबंध– 2

- परिचय
- हृदय - बालकृष्ण भट्ट
    - व्यक्तित्व एवं कृतित्व
    - हृदय-मूल पाठ
    - बालकृष्ण भट्ट की निबंध शैली
    - हृदय प्रतिपाद्य
    - हृदय समीक्षात्मक अध्ययन
- काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था - रामचंद्र शुक्ल

- व्यक्तित्व एवं कृतित्व
    - काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था- मूल पाठ
    - निबंध शैली
    - काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था : प्रतिपाद्य
    - काव्य में लोकमंगल की साधनावस्था : समीक्षात्मक अध्ययन

इकाई 4 : कहानी – 2

- परिचय
- 'उसने कहा था'- चंद्रधर शर्मा गुलेरी
    - लेखक परिचय
    - उसने कहा था मूल पाठ
    - चंद्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी कला की विशेषताएं
    - कहानी का सार
    - कहानी की समीक्षा
    - कहानी कला के तत्व और 'उसने कहा था'
    - महत्वपूर्ण व्याख्याएं
- ठाकुर का कुआं मुंशी प्रेमचंद
    - लेखक परिचय
    - ठाकुर का कुआ मूल पाठ
    - प्रेमचंद की कहानी कला की विशेषताएं
    - कहानी का सार
    - कहानी की समीक्षा
    - कहानी कला के तत्व और ठाकुर का कुआ
    - महत्वपूर्ण व्याख्याएं

इकाई 5 : यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा और जीवनी– 2

- परिचय
- यात्रावृत्त : 'परशुराम से तुरख' तक अज्ञेय
    - परशुराम से तूरखम (एक टायर की रामकहानी)
    - लेखन शैली
- रिपोर्ताज : 'ॠणजल-धनजल' फनीश्वरनाथ 'रेणु'
    - ॠणजल – धनजल
    - लेखन शैली
    - साहित्यिक अवदान
- रेखाचित्र : 'भाभी' – महादेवी वर्मा
    - भाभी

- भाषा शैली

स्नातकोत्तरतृतीयसत्र

MAHIN-503

'प्रयोजनमूलकहिंदी - 1'

इकाई 1 : भारतीय संविधान में राजभाषा संबंधी प्रावधान- 1

- परिचय
- भारतीय संविधान राजभाषा संबंधी प्रावधान अनुच्छेद 343 से 351 तक
    - संघ की राजभाषा
    - राजभाषा के लिए आयोग और संसदीय समिति
    - एक राज्य, अन्य राज्य अथवा राज्य और संघ के बीच संचार के लिए राजभाषा
    - एक राज्य और दूसरे राज्य के बीच अथवा राज्य और संघ के बीच हेतु राजभाषा
    - किसी राज्य के जन समुदाय के किसी भाग द्वारा बोली जाने वाली भाषा के संबंध में विशेष उपबंध
    - न्यायालयों भाषा
    - भाषा संबंधी कुछ विधियों को अधिनियमित के लिए विशेष प्रक्रिया
    - विशेष निर्देश : व्यथा के निवारण के लिए अभ्यावेदन प्रयोग की जाने वाली भाषा
    - हिंदी भाषा के विकास के लिए निर्देश
    - अष्टम अनुसूची (अनुच्छेद 344(1) और 351)
    - संवैधानिक की विशेषताएँ

इकाई 2 : कार्यालयीहिंदीकेप्रमुखप्रकार्य - 1

- परिचय
- प्रारूपण
- पत्रलेखन
- संक्षेपण

इकाई 3 : अनुवाद अर्थ एवं अभिप्राय- 1

- परिचय
- अनुवाद : अर्थ, परिभाषा एवं अभिप्राय
- अनुवाद की पद्धतियां - मानवीकृत अनुवाद व मशीनी अनुवाद
- अनुवाद के प्रकार

इकाई 4 : कंप्यूटर एवं मीडिया लेखन- 1

- परिचय
- समाचार लेखन

- रेडियो लेखन
- विज्ञापन लेखन

इकाई 5 : **दुभाषिया विज्ञान- 1**

- परिचय
- दुभाषिय अर्थ एवं परिभाषा
- दुभाषिया की भूमिका
- दुभाषिया का कार्य
- दुभाषिया के गुण

स्नातकोत्तरतृतीयसत्र

MAHIN-504

‘भारतीयएवंपाश्चात्यकाव्यशास्त्रतथासमालोचना- 1’

इकाई 1 : **भारतीयकाव्यशास्त्रकाइतिहास- 1**

- परिचय
- भारतीयकाव्यशास्त्रकासंस्कृतएवंसंस्कृतेतरइतिहास
- काव्यलक्षण
- काव्यप्रयोजनकाव्यहेतु

इकाई 2 : **काव्यशास्त्रीयसम्प्रदाय- 1**

- परिचय
- अलंकारसम्प्रदाय
- रीतिसम्प्रदाय
- ध्वनीसम्प्रदाय

इकाई 3 : **पाश्चात्यकाव्यसिद्धांत - 1**

- परिचय
- पाश्चात्यकाव्यशास्त्रकाविकासक्रम
- प्लेटो
- अरस्तु
- लोंजाइनसकाउदात्ततत्व

इकाई 4 : **हिंदीआलोचनाकेसिद्धांतएवंप्रणालियां - 1**

- परिचय
- हिंदीआलोचनाकेसिद्धांतऔरप्रणालियां
- हिंदीमेंकाव्यशास्त्रीयचिंतनऔरआलोचनाकाविकास
- प्रमुखआलोचनासिद्धांत
- रचनाकेतीनक्षण
- स्वच्छंदतावादीआलोचना

इकाई 5 : **हिंदीकेप्रमुखआलोचक - 1**

- परिचय
- आचार्यरामचंद्रशुक्ल

- शिवदानसिंह्चौहान
- आचार्यनंददुलारेवाजपेयी
- डॉ. नगेन्द्र

स्नातकोत्तरचतुर्थसत्र

MAHIN-505

‘आधुनिककाव्य - 2’

इकाई 1 : नागार्जुनएवंरघुवीरसहाय

- परिचय
- नागार्जुन के काव्य में यथार्थ चेतना
- प्रगतिवादी काव्य चेतना और नागार्जुन
- जन कवि के रूप में नागार्जुन
- नागार्जुन का काव्य वैशिष्ट्य
- पाठांश
- रघुवीर सहाय के काव्य में राजनीतिक चेतना
- रघुवीर सहाय के काव्य में भाषिक प्रयोग
- समकालीन कविता और रघुवीर सहाय
- पाठांश – ‘तोड़ो’ एवं ‘पढ़िए गीता’

इकाई 2 : महेश्वर तिवारी एवं दुष्यंत कुमार

- परिचय
- नवगीतपरंपरामेंमहेश्वरतिवारीकास्थान
- महेश्वरतिवारीकेनवगीतोंकाभाव-सौन्दर्यएवंशिल्पगतवैशिष्ट्य
- पाठांश – ‘आस-पास जंगली हवाएं है’ एवं ‘धूप में भी जले हैं पांव’
- हिंदी गजल और दुष्यंत कुमार
- दुष्यंत के काव्य में स्वातंत्र्योत्तर भारतीय
- दुष्यंत का काव्य-सौष्ठव
- पाठांश

इकाई 3 : अरुणकमल

- परिचय
- समकालीन काव्य-मूल्य और अरुण कमल की कविता
- हिंदी कविता में प्रतिरोध की चेतना और अरुण कमल
- समसामयिक जीवन के प्रश्न और अरुण कमल की कविता
- पाठांश

इकाई 4 : कात्यायनी

- परिचय
- स्त्रीविमर्शऔरकात्यायनीकीकविता
- कात्यायनीकीकवितामेंस्त्री-पीड़ाकेबिंब
- समसामयिकजीवन-बोधऔरकात्यायनीकाकाव्य
- पाठांश

इकाई 5 : मलखानसिंह

- परिचय
- परंपरागत समाज-व्यवस्था का प्रतिरोध और दलित कविता
- दलित-विमर्श के परिप्रेक्ष्य में मलखान सिंह के काव्य का मूल्यांकन
- पाठांश

स्नातकोत्तरचतुर्थसत्र

MAHIN-506

‘हिंदीगद्यसाहित्य – 2’

इकाई 1 : **अंधेर नगरी (भारतेंदु हरिश्चंद्र)– 2**

- परिचय
- अंधेर नगरी मूल नाटक
- अंधेर नगरी का नाट्य शिल्प
- 'अंधेर नगरी' में यथार्थ बोध
- 'अंधेर नगरी' की भाषा एवं लोक तत्व
- अंधेर नगरी प्रासंगिकता
- सारांश

इकाई 2 : **आधे-अधूरे (मोहन राकेश)– 2**

- नाट्य समीक्षा की कसौटी पर आधे-अधूरे
    - कथानक
    - पात्र एवं चरित्र चित्रण
    - युगबोध
    - अभिनेयता
- आधे-अधूरे की नाट्यभाषा
    - रंगमंच के अनुकूल शब्दों का चयन
    - भाषा शैली
    - सारांश

इकाई 3 : **निबंध – 2**

- साहित्यकारोंकादायित्व – हजारीप्रसाद द्विवेदी
    - व्यक्तित्वएवंकृतित्व
    - साहित्यकारोंकादायित्व – मूलपाठ
    - निबंधशैली
    - साहित्यकारों का दायित्व – प्रतिपाद्य
    - साहित्यकारों का दायित्व – समीक्षात्मकअध्ययन
- जीवन अपनी देहरी पर – विद्यानिवासमिश्र
    - व्यक्तित्वएवंकृतित्व
    - जीवनअपनीदोहरीपर : मूलपाठ

- निबंधशैली
- जीवनअपनीदोहरीपर – प्रतिपाद्य
- जीवनअपनीदोहरीपर – समीक्षात्मकअध्ययन
- सारांश

इकाई 4 : **कहानी– 2**

- ‘मलबे का मालिक’- मोहन राकेश
    - लेखक परिचय
    - मलबे का मालिक मूल पाठ
    - मोहन राकेश की कहानी कला की विशेषताएं
    - कहानी का सार
    - कहानी की समीक्षा
    - कहानी कला के तत्व और ‘मलबे का मालिक’
    - महत्वपूर्ण व्याख्याएं
- ‘यही सच है’– मन्नू भंडारी
    - लेखिकापरिचय
    - यहीसचहै : मूलपाठ
    - मन्नूभंडारीकीकहानीकलाकीविशेषताएं
    - कहानीकासार
    - कहानीकीसमीक्षा
    - कहानीकलाकेतत्वऔर ‘यहीसचहै’
    - महत्वपूर्णव्याख्याएं
- ‘सलाम’– ओम प्रकाश वाल्मीकि
    - लेखकपरिचय
    - सलाम : मूलपाठ
    - ओमप्रकाशवाल्मीकिकीकहानीकलाकीविशेषताएं
    - कहानीकासार
    - कहानीकीसमीक्षा
    - कहानीकलाकेतत्वऔर ‘सलाम’
    - महत्वपूर्णव्याख्याएं
    - सारांश

इकाई 5 : यात्रावृत्त, रिपोर्ताज, रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा और जीवनी– 2

- संस्मरण विष्णु : प्रभाकर यादों की तीर्थयात्रा : जैनेन्द्र कुमार
- आत्मकथा : गुड़िया भीतर गुड़िया : मैत्रेयी पुष्पा
    - गुड़िया भीतर गुड़िया
    - भाषा और शिल्प
- जीवनी : महापंडित राहुल : गुणाकर मुले
- सारांश

स्नातकोत्तरचतुर्थसत्र

MAHIN-507

‘प्रयोजनमूलकहिंदी – 2’

इकाई 1 : भारतीयसंविधानमेंराजभाषासंबंधीप्रावधान – 2

- राष्ट्रपति के आदेश सन् 1952, 1955 एवं 1960
- राजभाषा अधिनियम 1963
- राजभाषा अधिनियम (संशोधित 1967)
- राजभाषा अधिनियम, 1976
- राजभाषाकेरूपमेंहिंदीकीचुनौतियांएवंभूमिका
- सारांश

इकाई 2 : कार्यालयीहिंदीकेप्रमुखकार्य – 2

- संक्षेपण
- पल्लवन
- टिप्पणअथवाटिपण्णी
- परिपत्र
- ज्ञापन
- सारांश

इकाई 3 : अनुवाद : अर्थएवंअभिप्राय – 2

- अनुवादकीकसौटी
- अनुवादककीकसौटी
- अनुवादकीचुनौतियां
- अनुवादकीभूमिका
- सारांश

इकाई : 4 कंप्यूटरएवंमीडियालेखन – 2

- फीचरलेखन
- पटकथालेखन
- कंप्यूटर
- मीडिया

- सारांश

इकाई 5 : दुभाषिय विज्ञान– 2

- आशु अनुवाद : अभिप्राय एवं परिभाषा
- अनुवाद एवं आशु अनुवाद में अंतर
- आशु अनुवाद का क्षेत्र
- आशु अनुवाद की प्रक्रिया
- आशु अनुवाद की पूर्व तैयारी
- आशु अनुवाद की पद्धतियां
- सारांश

स्नातकोत्तरचतुर्थसत्र

MAHIN-508

'भारतीयएवंपाश्चात्यकाव्यशास्त्रतथासमालोचना – 2'

इकाई 1 : भारतीयकाव्यशास्त्रकाइतिहास– 2

- काव्यकेप्रकार
- रससिद्धांत
- रसकेअंग
- रसनिष्पत्ति
- साधारणीकरण
- सहृदयकीअवधारणा
- सारांश

इकाई 2 : काव्यशास्त्रीयसम्प्रदाय – 2

- वक्रोक्तिसम्प्रदाय : स्वरुपएवंमूलस्थापनाएं
- औचित्यसिद्धांत : स्वरुपएवंमूलस्थापनाएं
- सारांश

इकाई 3 : पाश्चात्यकाव्यसिद्धांत – 2

- क्रोचेकाअभिव्यंजनासिद्धांत
- कॉलरिजकाकल्पनासिद्धांत
- वड्र्सवर्थकाभाषा-चिंतन
- आई.ए.रिचड्र्सकामूल्य-सिद्धांतएवंकाव्यभाषा
- टी.एसइलियटकेकाव्यसिद्धांत
- सारांश

इकाई 5 : हिंदीआलोचनाकेसिद्धांतएवंप्रणालियां – 2

- मार्क्सवादीआलोचना
- समाजशास्त्रीयआलोचना
- सौन्दर्यशास्त्रीयआलोचना
- शैलीवैज्ञानिक
- नईसमीक्षाआलोचनाप्रणालियां
- सारांश

इकाई 5 : हिंदीकेप्रमुखआलोचक – 2

- परिचय
- आचार्यरामचंद्रशुक्ल
- शिवदानसिंहचौहान
- आचार्यनंददुलारेवाजपेयी
- डॉ. नगेन्द्र
- आचार्यहजारीप्रसादद्विवेदी
- डॉ. रामविलासशर्मा
- मुक्तिबोध
- डॉ. नामवरसिंह
- सारांश

6. पाठ्यक्रम की निर्धारित राशि का विवरण निम्नानुसार है-

Details	MA 1st Semester	MA2ndSemester	MA3rd Semester	MA 4thSemester
CourseFee	₹700.00	₹ 700.00	₹ 700.00	₹ 700.00
AdmissionFee	₹ 500.00	₹ 500.00	₹ 500.00	₹ 500.00
RegistrationFee	₹ 450.00			
CentralExamination Fee	₹ 1,600.00	₹ 1,600.00	₹ 1,600.00	₹ 1,600.00
MarksheetFee	₹ 250.00	₹ 250.00	₹ 250.00	₹ 250.00
Self LearningMaterial	₹ 3,500.00		₹ 3,500.00	
AssignmentEvaluationFee	₹ 300.00	₹ 300.00	₹ 300.00	₹ 300.00
CounsellingFee	₹ 700.00	₹ 700.00	₹ 700.00	₹ 700.00
IdentityCardFee	₹ 100.00	₹ 100.00	₹ 100.00	₹ 100.00
ContinuationFee		₹ 500.00	₹500.00	₹ 500.00
AssignmentResponseFee	₹ 250.00	₹ 250.00	₹ 250.00	₹ 250.00
Centre Fee	₹ 300.00	₹ 300.00	₹ 300.00	₹ 300.00
LibraryFee	₹ 100.00	₹ 100.00	₹ 100.00	₹ 100.00
	₹ 8,750.00	₹ 5,300.00	₹ 8,800.00	₹ 5,300.00

7. प्रत्येक पेपर एवं सेमेस्टर हेतु क्रेडिट भारांकन

a. 4 क्रेडिट = प्रत्येक प्रश्नपत्र हेतु 64 घंटे (जिसमें व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशालाएँ, प्रयोगात्मक कार्य आदि सम्मिलित हैं)।
b. 1 क्रेडिट = प्रति माह 16 घंटे (असाइनमेंट कार्य)।
c. 1 क्रेडिट = प्रति माह 16 पीरियड/16 घंटे।
d. प्रति सेमेस्टर कुल क्रेडिट: 4 प्रश्नपत्र × 5 क्रेडिट = 20 क्रेडिट।

Paper Code and Title	**External Marks (Term End Exams)**	**Internal Marks (Assign ment marks)**	**Total Marks**	**Credit**	**Teaching Hours**
FirstSemester:					
MAHIN-401: **हिन्दी साहित्य का इतिहास-1**	70	30	100	5	80hrs
MAHIN -402: **आदिकालीन और मध्यकालीन (अ)**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN -403: **लोकसाहित्य – I**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN -404: **भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि – 1**	70	30	100	5	80 hrs
Second Semester:					
MAHIN-405**: हिंदी साहित्य का इतिहास -2’**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN -406**: आदिकालीन और मध्यकालीन (ब)**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN – 407 : **लोकसाहित्य- II**	70	30	100	5	80 hrs

MAHIN -408: : **भाषाविज्ञान, हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि – II**	70	30	100	5	80 hrs
ThirdSemester:					
MAHIN -501: **आधुनिक काव्य -I**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN -502 : **हिन्दी गद्य साहित्य- I**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN -503: **प्रयोजनमूलक हिन्दी- I**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN -504: **प्रयोजनमूलक हिन्दी- I**	70	30	100	5	80 hrs
FourthSemester:					
MAHIN -505: **आधुनिक काव्य –II**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN -506: **हिन्दी गद्य साहित्य- II**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN -507: **प्रयोजनमूलक हिन्दी- II**	70	30	100	5	80 hrs
MAHIN -508: **प्रयोजनमूलक हिन्दी- II**	70	30	100	5	80 hrs
Total			1600	80	

8. मूल्यांकन योजना

प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा तथा 5 क्रेडिट निर्धारित हैं, जिसमें कुल 80 शिक्षण घंटे (Teaching Hours) शामिल हैं। प्रत्येक पेपर में आंतरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) तथा बाह्य/सत्रांत परीक्षा (End Semester Examination) का भार क्रमशः 30 प्रतिशत एवं 70 प्रतिशत होगा।

आंतरिक एवं बाह्य दोनों मूल्यांकन घटकों में पृथक रूप से न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

प्रत्येक पेपर की सत्रांत (External/End Semester) लिखित परीक्षा में निम्नानुसार तीन खंड (Sections) होंगे-A, B एवं C:

खंड A (Section A) - वस्तुनिष्ठ/लघु उत्तर आधारित प्रश्न

यह खंड 20 अंकों का होगा। इसमें प्रत्येक इकाई (Unit) से एक-एक प्रश्न सहित कुल 05 प्रश्न होंगे। अभ्यर्थी को इनमें से 04 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 05 अंकों का होगा।

खंड B (Section B)- लघु/विस्तृत उत्तर आधारित प्रश्न। यह खंड 30 अंकों का होगा। इसमें कुल 04 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। अभ्यर्थी को इनमें से 03 प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का होगा।

खंड C (Section C)- दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

यह खंड 30 अंकों का होगा। इसमें कुल 04 प्रश्न होंगे, प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न। अभ्यर्थी को इनमें से 02 प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न 15 अंकों का होगा। सत्रांत परीक्षा की अवधि 03 घंटे निर्धारित है। आंतरिक मूल्यांकन (Internal Assessment) 30 अंकों का होगा, जिसका निर्धारण प्रत्येक सेमेस्टर में निर्धारित असाइनमेंट/प्रोजेक्ट कार्य के आधार पर किया जाएगा। आंतरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण होने हेतु न्यूनतम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य होगा। जो विद्यार्थी आंतरिक मूल्यांकन में उत्तीर्ण नहीं होंगे, उन्हें सत्रांत परीक्षा में सम्मिलित होने की पात्रता नहीं दी जाएगी।